कम्प्यूटर की उपयोगिता

(Uses of Computer)

कम्प्यूटर का उपयोग उद्योग, व्यापार, सेना तथा शिक्षा में किया जाता है। कम्प्यूटर ने मनुष्य की जटिल समस्याओं को सरल एवं सुगम बना दिया है। शिक्षा के क्षेत्र ने कम्प्यूटर का प्रयोग प्रमुख रूप से चार क्षेत्रों में अधिक किया जाता है—

(1) शिक्षण तथा अनुदेशन में,
(2) शिक्षा के शोध कार्यों में,
(3) शिक्षा निर्देशन व परामर्श में
(4) परीक्षा प्रणाली में

(1) शिक्षण तथा अनुदेशन—व्यक्तिगत अनुदेशन के लिये इसका प्रयोग किया जाता है। एक कम्प्यूटर पर एक समय में कई प्रकार के छात्र एक पाठ्यवस्तु के कई अनुदेशनों का अध्ययन करते हैं। इस प्रकार कम्प्यूटर अनुदेशन की व्यवस्था करता है। शिक्षक अपने कक्षा-शिक्षण में अनुदेशन के समुचित रूप में चयन के लिये कम्प्यूटर की सहायता ले सकता है। प्रस्तुतीकरण के साथ-साथ इसके द्वारा छात्रों की अनुक्रियाओं का भी अवलोकन किया जाता है। कम्प्यूटर शिक्षण के उद्देश्यों, छात्रों के पूर्व-ज्ञान तथा प्रस्तुतीकरण के सम्बन्ध में निर्णय लेता है।

Scanned with CamScanner

(2) शोध कार्य—कम्प्यूटर का प्रयोग अनुदेशन के प्रस्तुतीकरण की अपेक्षा शोध कार्यों में अधिक किया जाता है। भारतीय परिस्थितियों में भी कम्प्यूटर का प्रयोग शोध कार्यों में किया जाने लगा है परन्तु यहाँ पर इसका प्रयोग अनुदेशन के लिये सम्भव नहीं हो पाया है। प्रदत्तों के संकलन के पश्चात प्रदत्तों के विश्लेषण के लिये कम्प्यूटर का प्रयोग किया जाता है। इसके द्वारा विशाल प्रदत्तों का विश्लेषण छः घण्टों में हो जाता है। कम्प्यूटर द्वारा प्राप्त परिणाम शुद्ध होते हैं।

(3) शैक्षिक निर्देशन तथा परामर्श—कम्प्यूटर का प्रयोग अन्तःनिर्देशन तथा परामर्श के लिये भी किया जाता है। शैक्षिक निर्देशन के लिये छात्रों का निदान किया जाता है और उनकी कमजोरियों के उपचार के लिये अनुदेशन दिया जाता है। इसके अतिरिक्त व्यावसायिक निर्देशन के लिये छात्र की क्षमताओं तथा योग्यताओं को कार्ड पर अंकित करके कम्प्यूटर को दे दिया जाता है। कम्प्यूटर उनकी क्षमताओं के आधार पर निर्देशन तथा परामर्श का सम्प्रेषण विद्युत टंकन मशीन द्वारा करता है। इस प्रकार कम्प्यूटर की सेवायें अब भारतवर्ष में उपलब्ध की जा रही हैं।

(4) परीक्षा प्रणाली—शिक्षा की प्रमुख दो क्रियायें होती हैं—शिक्षण तथा परीक्षण। इन दोनों क्रियाओं के लिये कम्प्यूटर का प्रयोग किया जाता है। परीक्षाफल तैयार करने में अधिक समय लगता था। अतः अब भारतवर्ष में भी विश्वविद्यालय तथा परीक्षा-परिषदें अपने परीक्षाफलों को तैयार करने में कम्प्यूटर की सहायता लेने लगी हैं।

इस प्रकार भारतवर्ष में परीक्षा तथा शोध के प्रदत्तों के विश्लेषण में कम्प्यूटर का प्रयोग किया जाने लगा है। शिक्षण तथा निर्देशन में इसका प्रयोग अभी पश्चिमी देशों तक ही सीमित है। इसके अतिरिक्त भारतवर्ष में कम्प्यूटर की सेवाओं का उपयोग अन्य उद्योग, व्यापार, प्रशासन तथा सेवा आदि में भी किया जाने लगा है।

Scanned with CamScanner